

चार महत्त्वपूर्ण लेखः



लोकगुरु बुद्ध

देश की बाह्य सुरक्षा

गणराज्य की सुरक्षा कैसे हो !

शाक्यों और कोलियों के गणतंत्र
का विनाश क्यों हुआ ?

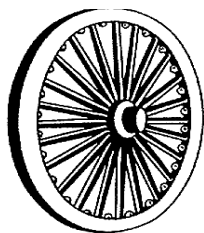


दिपश्यनाचार्य श्री सत्यनारायण गोयन्का

चार महत्त्वपूर्ण लेखः
लोकगुरु बुद्ध,
देश की बाह्य सुरक्षा,
गणराज्य की सुरक्षा कैसे हो!

एवं
शाक्यों और कोलियों के गणतंत्र
का विनाश क्यों हुआ?

विषयनाचार्य श्री सत्यनारायण गोयन्का



विषयना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी

**H89 - चार महत्त्वपूर्ण लेख: लोकगुरु बुद्ध,
देश की बाह्य सुरक्षा, गणराज्य की सुरक्षा कैसे हो! एवं
शाक्यों और कौलियों के गणतंत्र का विनाश क्यों हुआ?**

© विपश्यना विशोधन विन्यास
सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : जनवरी २०१६

मूल्य: रु. ३५.००

ISBN: 978-81-7414-379-2

प्रकाशक:

विपश्यना विशोधन विन्यास

धम्मगिरि, इगतपुरी - ४२२ ४०३

जिला- नाशिक, महाराष्ट्र

फोन: ०२५५३-२४४९९८, २४४०७६,

२४४०८६, २४४१४४, २४४४४०

Email: vri_admin@vridhamma.org

Website: www.vridhamma.org

मुद्रक:

अपोलो प्रिंटिंग प्रेस

जी-२५९, सीकॉफ लिमिटेड, ६९ एम. आय. डी. सी.,

सातपुर, नाशिक-४२२००७, महाराष्ट्र

विषयानुक्रमिका

लोकगुरु बुद्ध	३
व्यष्टि और समष्टि	८
धर्म के नाम पर जीवहत्या	८
देश की बाह्य सुरक्षा	१५
सुरक्षा की सात आवश्यकताएं	१६
पड़ोसी देशों को सुरक्षा का संदेश	१८
लेखक परिचय	२०
गणराज्य की सुरक्षा कैसे हो!	२३
विपश्यना: संक्षिप्त परिचय	३४
शाक्यों और कोलियों के गणतंत्र का विनाश क्यों हुआ?	३७
दुहुभ जातक	४०
बुद्ध भी असफल रहे	४१
शाक्यों का नरसंहार	४६
शाक्य गणतंत्र कब कोशल के अधीन हुआ?	५१
जात-पांत का अभिशाप	५५